वीरबहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

कोविड–19 के दृष्टिगत परीक्षा एवं परिणाम सम्बन्धी नियमावली (परीक्षा वर्ष–2020)

अपर सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद, लखनऊ के पत्रांकः 242/रा0उ0शि0प0/53/19 दिनांक–16 जुलाई, 2020 द्वारा विश्वविद्यालय में सत्र 2019–20 (परीक्षा वर्ष–2020) की **अवशेष परीक्षाओं** के सम्बन्ध में **कोविड–19** के दृष्टिगत प्राप्त दिशा–निर्देशों/सुझावों के आलोक में, विश्वविद्यालय की अपनी परिस्थितियों एवं छात्रों की आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए विश्वविद्यालय परिनियामवली के दृष्टिगत सत्र 2019–20 के परीक्षाफल जारी करने के सम्बन्ध में दिशा–निर्देश/प्रावधान/नियम का प्रारुप बनाये जाने हेतु इस विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति की बैठक दिनांक 22.07.2020 को मध्यान्ह 12.00 बजे कुलपति सभागार में सम्पन्न हुई, जिसमें लिये गये निर्णयों का विस्तृत विवरण निम्नवत् हैः–

1. यह नियमावली **'कोविड–19' परीक्षा एवं परिणाम नियमावली–2020'** कही जायेगी तथा केवल परीक्षा वर्ष–2020 के लिए लागू होगी।
2. यह नियमावली संस्थागत/व्यक्तिगत/भूतपूर्व परीक्षार्थियो पर लागू होगी।
3. ऐसे प्रकरण जो इस नियमावली से आच्छादित नहीं है, उन पर परीक्षा समिति द्वारा यथा समय निर्णय लिया जा सकेगा।
4. विश्वविद्यालय की वर्ष–2020 की अंतिम वर्ष/अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाओं को छोड़कर शेष कक्षाओं की अवशेष परीक्षाओं को स्थगित रखा जाये, जिन्हें शासन के निर्देशानुसार यथासमय सम्पन्न करायी जायेगी।
5. जिन विषयों/प्रश्नपत्रों की परीक्षाएं (वर्ष–2020) सम्पन्न हो गयी है, उनकी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कराकर परीक्षार्थियों के प्राप्तांक परीक्षाफल में सम्मिलित कर लिए जाय।
6. (i) (अ) ऐसे परीक्षार्थी जिनके सभी विषयों/प्रश्नपत्रों की परीक्षाएं (वर्ष–2020) सम्पन्न हो चुकी है, उनके परीक्षाफल नियमानुसार घोषित किए जाय।
   (ब) यदि कोई परीक्षार्थी बैकपेपर के लिए अर्ह है, तो उसे अगले वर्ष/अगले सेमेस्टर में प्रोन्नत कर दिया जाय।
   (स) यदि कोई परीक्षार्थी बैकपेपर के लिए भी अर्ह नहीं है तथा अनुत्तीर्ण है, उन परीक्षार्थियों को वर्ष 2020 की परीक्षा में अनुत्तीर्ण घोषित किया जाय।

   (ii) ऐसे परीक्षार्थी जो पूर्व में सम्पादित इस परीक्षा के अपूर्ण परिणाम के आधार पर सम्बन्धित विश्वविद्यालय के नियमानुसार बैकपेपर के लिए भी अर्ह नहीं है तथा अनुत्तीर्ण है उनको वर्ष–2020 की परीक्षा में अनुत्तीर्ण घोषित किया जाय।
7. ऐसे परीक्षार्थी जिन्हें इन नियमों के अनुसार औसत अंक प्रदान किए जायेंगे यदि वह इन अंको से संतुष्ट नहीं होंगे तो वे वर्ष–2021 की बैकपेपर परीक्षा/वर्ष–2022 की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा के उन समस्त/किसी भी विषय में सम्मिलित होकर अपने अंकों में सुधार करने के अवसर प्राप्त कर सकेंगे।
8. सेमेस्टर प्रणाली के अन्तर्गत (स्नातक एवं परास्नातक) अंतिम सेमेस्टर वर्ष–2020 की परीक्षाओं को छोड़कर अवशेष सेमेस्टर की परीक्षाओं का परीक्षाफल परीक्षार्थी के विगत (पिछले) सेमेस्टर के उत्तीर्ण प्रश्नपत्रों के प्राप्ताकों के औसत अंक के अनुसार घोषित किया जाय। परीक्षार्थियों के औसत अंक निर्धारण हेतु सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक विषय/प्रश्नपत्रों/ग्रुपों के अंक अलग–अलग लिए जाय।

REDMI NOTE 8 PRO
64MP QUAD CAMERA

स्नातक प्रथम वर्ष (वर्ष–2020) (बी0ए0 / बी0एस–सी0 / बी0काम0 / बी0एस–सी0(बी0पी0ई0) / बी0एस–सी0 कृषि– (भूतपूर्व)

1. जिन विषयों / प्रश्नपत्रों की परीक्षाएं सम्पन्न हो गयी हैं, उनकी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कराकर परीक्षार्थी को उनके प्राप्तांक प्रदान कर दिया जाय।
2. स्नातक प्रथम वर्ष में जिन विषयों / प्रश्नपत्रों की परीक्षा सम्पन्न नहीं हुई है, उन विषयों / प्रश्नपत्रों में परीक्षार्थी को प्रोन्नत कर दिया जाय। ऐसे विषयों / प्रश्नपत्रों में अभी कोई अंक प्रदान न किया जाय।
3. प्रथम वर्ष के प्रोन्नत होने वाले ऐसे सभी परीक्षार्थियों द्वारा द्वितीय वर्ष (वर्ष–2021) की परीक्षा में उत्तीर्ण किए गये समस्त सैद्धान्तिक विषयों के प्राप्तांकों के औसत अंक को ही उसके प्रथम वर्ष के अवशेष (जिसमें परीक्षा सम्पन्न नहीं हुई हैं) विषयों / प्रश्नपत्रों का प्राप्तांक मानकर प्रथम वर्ष की अंकतालिका तैयार की जाय।
4. यदि कोई परीक्षार्थी वर्ष–2021 में द्वितीय वर्ष में अनुत्तीर्ण हो जाता है, तो वह आगामी वर्ष की द्वितीय वर्ष की परीक्षा में नियमानुसार सम्मिलित होगा। परन्तु उसके द्वारा इसी परीक्षा में उत्तीर्ण किए गये समस्त सैद्धान्तिक विषयों के प्राप्तांकों के औसत अंक को उसके प्रथम वर्ष के अवशेष विषय / प्रश्नपत्रों का प्राप्तांक माना जाय।
5. प्रायोगिक विषयों में द्वितीय वर्ष की सम्बन्धित विषय की प्रायोगिक परीक्षा के प्राप्तांक / उत्तीर्णांक को ही (जो भी अधिक हो) प्रथम वर्ष के लिए भी संगत विषय / प्रश्नपत्र / ग्रुप के प्रायोगिक परीक्षा का प्राप्तांक माना जाय।

स्नातक द्वितीय वर्ष (वर्ष–2020)(बी0ए0 / बी0एस–सी0 / बी0काम0 / बी0एस–सी0(बी0पी0ई0)

1. जिन विषयों / प्रश्नपत्रों की परीक्षाएं सम्पन्न हो गयी हैं, उनकी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कराकर परीक्षार्थी को उनके प्राप्तांक प्रदान कर दिया जाय।
2. द्वितीय वर्ष के ऐसे परीक्षार्थी जिनके कुछ विषयों / प्रश्नपत्रों की परीक्षा नहीं हो सकी है, उनके अंकपत्र में परीक्षा न होने वाले विषयों / प्रश्नपत्रों के विगत (प्रथम) वर्ष की परीक्षा में उत्तीर्ण किये गये समस्त सैद्धान्तिक विषयों के प्राप्तांकों का औसत अंक उसके द्वितीय वर्ष–2020 के अवशेष संगत विषय / प्रश्नपत्रों (जिसमें परीक्षा सम्पन्न नहीं हुई है) का प्राप्तांक माना जाय।
3. प्रायोगिक विषयों में प्रथम वर्ष की सम्बन्धित विषय की प्रायोगिक परीक्षा के प्राप्तांक / उत्तीर्णांक को ही (जो भी अधिक हो) द्वितीय वर्ष के लिए भी संगत विषय / प्रश्नपत्र / ग्रुप के प्रायोगिक परीक्षा का प्राप्तांक माना जाय।

स्नातक अंतिम वर्ष (वर्ष–2020)(बी0ए0 / बी0एस–सी0 / बी0काम0 / बी0एस–सी0(बी0पी0ई0)

स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षाएं शासन के निर्देशानुसार आयोजित की जायेगी।

सेमेस्टर प्रणाली के अन्तर्गत (स्नातक एवं परास्नातक)

सेमेस्टर प्रणाली के अन्तर्गत (स्नातक एवं परास्नातक) अंतिम सेमेस्टर वर्ष–2020 की परीक्षाओं को छोड़कर अवशेष सेमेस्टर की परीक्षाओं का परीक्षाफल परीक्षार्थी के विगत (पिछले) सेमेस्टर के उत्तीर्ण प्रश्नपत्रों के प्राप्तांको के औसत अंक के अनुसार घोषित किया जाय। परीक्षार्थियों के औसत अंक निर्धारण हेतु सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक विषयों / प्रश्नपत्रों / ग्रुपों के अंक अलग–अलग लिए जाय।

बी0एस–सी0(कृषि) भाग–एक (द्वितीय सेमेस्टर) परीक्षा वर्ष–2020

द्वितीय सेमेस्टर वर्ष–2020 की परीक्षा अभी सम्पन्न नहीं हुई है तथा शासन के निर्देशानुसार अब आयोजित नहीं होनी है। ऐसे स्थिति में द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षाफल विगत (प्रथम) सेमेस्टर के उत्तीर्ण विषयों / प्रश्नपत्रों के प्राप्तांको के औसत अंक के अनुसार घोषित किया जाय।

REDMI NOTE 8 PRO
64MP QUAD CAMERA

बी0एस–सी0(कृषि) भाग–दो वार्षिक परीक्षा वर्ष–2020

1. जिन विषयों/प्रश्नपत्रों की परीक्षाएं सम्पन्न हो गयी हैं, उनकी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कराकर परीक्षार्थी को उनके प्राप्तांक प्रदान कर दिया जाय।
2. द्वितीय वर्ष के ऐसे परीक्षार्थियों जिनके कुछ विषयों/प्रश्नपत्रों की परीक्षा नहीं हो सकी है उनके अंकपत्र में परीक्षा न होने वाले विषयों/प्रश्नपत्रों के विगत (प्रथम) वर्ष की परीक्षा में उत्तीर्ण किये गये समस्त सैद्धान्तिक विषयों के प्राप्तांकों का औसत अंक उसके द्वितीय वर्ष–2020 के अवशेष संगत विषय/प्रश्नपत्रों (जिसमें परीक्षा सम्पन्न नहीं हुई है) का प्राप्तांक माना जाय।
3. प्रायोगिक विषयों में प्रथम वर्ष की संबंधित विषय की प्रायोगिक परीक्षा के प्राप्तांकों/उत्तीर्णांकों को ही (जो भी अधिक हो) द्वितीय वर्ष के लिए भी संगत विषय/प्रश्नपत्र/ग्रुप के प्रायोगिक परीक्षा का प्राप्तांक माना जाय।

बी0एस–सी0(कृषि) भाग–तीन वार्षिक परीक्षा वर्ष–2020

1. जिन विषयों/प्रश्नपत्रों की परीक्षाएं सम्पन्न हो गयी हैं, उनकी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कराकर परीक्षार्थी को उनके प्राप्तांक प्रदान कर दिया जाय।
2. तृतीय वर्ष के ऐसे परीक्षार्थी जिनके कुछ विषयों/प्रश्नपत्रों की परीक्षा नहीं हो सकी है उनके अंकपत्र में परीक्षा न होने वाले विषयों/प्रश्नपत्रों के विगत द्वितीय वर्ष की परीक्षा में उत्तीर्ण किये गये समस्त सैद्धान्तिक विषयों के प्राप्तांकों का औसत अंक उसके तृतीय वर्ष–2020 के अवशेष विषय/प्रश्नपत्रों (जिसमें परीक्षा सम्पन्न नहीं हुई है) के प्राप्तांक के रुप में स्वीकार कर अंकित किया जाय।
3. प्रायोगिक विषय/प्रश्नपत्र/ग्रुप में द्वितीय वर्ष की प्रायोगिक परीक्षा के प्राप्तांकों/उत्तीर्णांकों (जो भी अधिक हो) का औसत अंक तृतीय वर्ष के लिए स्वीकार किया जाय।

बी0एस–सी0(कृषि) भाग–चतुर्थ (अंतिम वर्ष)–2020

बी0.एस–सी0(कृषि) अंतिम वर्ष की परीक्षाएं शासन के निर्देशानुसार आयोजित की जायेगी।

एल0एल0बी0/बी0बी0ए0/बी0सी0ए0 त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम–2020

1. एल0एल0बी0/बी0बी0ए0/बी0सी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा वर्ष–2020 का परीक्षाफल प्रथम सेमेस्टर परीक्षा के उत्तीर्ण प्रश्नपत्रों/ट्यूटोरियल/प्रायोगिक के प्राप्तांकों के औसत अंक के अनुसार तैयार किया जाय। परीक्षार्थियों के औसत अंक निर्धारण हेतु सैद्धान्तिक एवं ट्यूटोरियल के प्राप्तांक अलग–अलग लिए जायं।
2. एल0एल0बी0/बी0बी0ए0/बी0सी0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा वर्ष–2020 का परीक्षाफल तृतीय सेमेस्टर परीक्षा के उत्तीर्ण प्रश्नपत्रों/ट्यूटोरियल/प्रायोगिक के प्राप्तांकों के औसत अंक के अनुसार तैयार किया जाय। परीक्षार्थियों के औसत अंक निर्धारण हेतु सैद्धान्तिक एवं ट्यूटोरियल के प्राप्तांक अलग–अलग लिए जायं।
3. एल0एल0बी0/बी0बी0ए0/बी0सी0ए0 षष्टम् सेमेस्टर परीक्षा वर्ष–2020 की परीक्षाएं शासन के निर्देशानुसार सम्पन्न करायी जायेगी।

बी0ए0एल0एल0बी0 पंचवर्षीय पाठ्यक्रम–2020

1. बी0ए0एल0एल0बी0 द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा वर्ष–2020 का परीक्षाफल प्रथम सेमेस्टर परीक्षा के उत्तीर्ण प्रश्नपत्रों/ट्यूटोरियल के प्राप्तांकों के औसत अंक के अनुसार तैयार किया जाय। परीक्षार्थियों के औसत अंक निर्धारण हेतु सैद्धान्तिक एवं ट्यूटोरियल के प्राप्तांक अलग–अलग लिए जायं।
2. बी0ए0 एल0एल0बी0 तृतीय सेमेस्टर परीक्षा वर्ष–2020 का परीक्षाफल संबंधित परीक्षार्थी के द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा के उत्तीर्ण प्रश्नपत्रों/ट्यूटोरियल के प्राप्तांकों के प्राप्तांको के औसत अंक के अनुसार तैयार किया जाय। परीक्षार्थियों के औसत अंक निर्धारण हेतु सैद्धान्तिक एवं ट्यूटोरियल के प्राप्तांक अलग–अलग लिए जायं।

REDMI NOTE 8 PRO
64MP QUAD CAMERA

वार्षिक परीक्षा परास्नातक प्रथम वर्ष–2020 (एम0ए0, एम0एस–सी0, एम0काम0) एल0एल0एम0 एम0एस–सी0(कृषि)भूतपूर्व

1. जिन परीक्षार्थियों के सभी प्रश्नपत्रों की परीक्षाएं सम्पन्न हो गयी हैं, उनकी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कराकर परीक्षाफल तैयार कर दिया जाय।
2. जिन परीक्षार्थियों के किसी प्रश्नपत्र की परीक्षा नहीं हुई है, उन्हें प्रोन्नत कर दिया जाय।
3. ऐसे सभी प्रोन्नत परीक्षार्थियों द्वारा द्वितीय वर्ष (वर्ष–2021) की परीक्षा में उत्तीर्ण किए गये प्रश्नपत्रों के प्राप्तांकों के औसत अंक को उसके प्रथम वर्ष के अवशेष (जिसमें परीक्षा सम्पन्न नही हुई है) प्रश्नपत्रों का प्राप्तांक मानकर प्रथम वर्ष की अंकतालिका तैयार की जाय।
4. यदि कोई परीक्षार्थी वर्ष–2021 में द्वितीय वर्ष में अनुत्तीर्ण हो जाता है, तो वह आगामी वर्ष की द्वितीय वर्ष की परीक्षा में नियमानुसार सम्मिलित होगा, परन्तु उसके द्वारा इसी परीक्षा में उत्तीर्ण किए गये समस्त सैद्धान्तिक विषयों के प्राप्तांकों के औसत अंक को उसके प्रथम वर्ष के अवशेष विषय/प्रश्नपत्रों का प्राप्तांक माना जाय।

वार्षिक परीक्षा परास्नातक द्वितीय वर्ष–2020(एम0ए0, एम0एस–सी0, एल0एल0एम0 एम0एस–सी0(कृषि) एम0काम0)

1 परास्नातक द्वितीय वर्ष (अंतिम वर्ष) 2020 की अवशेष परीक्षाएं शासन के निर्देशानुसार आयोजित की जायेगी।

बी0एड0 प्रथम वर्ष–2020 (द्वितीय सेमेस्टर)

1. बी0एड0 द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा वर्ष–2020 का परीक्षाफल प्रथम सेमेस्टर परीक्षा के उत्तीर्ण प्रश्नपत्रों/प्रायोगिक के प्राप्तांकों के औसत अंक के अनुसार तैयार किया जाय। परीक्षार्थियों के औसत अंक निर्धारण हेतु सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक के प्राप्तांक अलग–अलग लिए जायं।

बी0एड0 द्वितीय वर्ष–2020 (चतुर्थ सेमेस्टर)

1. बी0एड0 द्वितीय वर्ष–2020 चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं शासन के निर्देशानुसार सम्पन्न करायी जायेगी।

बी0पी0एड0 प्रथम वर्ष–2020 द्वितीय सेमेस्टर–

1. बी0पी0एड0 द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा वर्ष–2020 का परीक्षाफल प्रथम सेमेस्टर परीक्षा के उत्तीर्ण प्रश्नपत्रों/प्रायोगिक के प्राप्तांकों के औसत अंक के अनुसार तैयार किया जाय। परीक्षार्थियों के औसत अंक निर्धारण हेतु सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक के प्राप्तांक अलग–अलग लिए जायं।

एम0एड0 प्रथम वर्ष–2020 (द्वितीय सेमेस्टर)

1. एम0एड0 द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा वर्ष–2020 का परीक्षाफल प्रथम सेमेस्टर परीक्षा के उत्तीर्ण प्रश्नपत्रों/प्रायोगिक के प्राप्तांकों के औसत अंक के अनुसार तैयार किये जाने तथा परीक्षार्थियों के औसत अंक निर्धारण हेतु सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक के प्राप्तांक अलग–अलग लिए जाने का प्राविधान है। उल्लेखनीय है कि एम0एड0 प्रथम सेमेस्टर में प्रायोगिक परीक्षा का प्राविधान नहीं है, जबकि द्वितीय सेमेस्टर में प्रायोगिक परीक्षा का प्राविधान है। एम0एड0 पाठ्यक्रम मात्र 07 महाविद्यालयों में संचालित है तथा इसमें अधिकतम् 50 छात्रों का ही प्रवेश प्रति महाविद्यालय अनुमन्य है, इसलिए उक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए फिजिकल डिस्टैंसिंग (शारीरिक दूरी) का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए एम0एड0 द्वितीय सेमेस्टर प्रायोगिक परीक्षा सम्पादित करायी जाय।

एम0एड0 द्वितीय वर्ष–2020 (चतुर्थ सेमेस्टर)

1 एम0एड0 द्वितीय वर्ष–2020 चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं शासन के निर्देशानुसार सम्पन्न करायी जायेगी।

परीक्षा नियंत्रक

REDMI NOTE 8 PRO
64MP QUAD CAMERA